nt>

Title: Need to rationalise the prices of petroleum products.

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, पैट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में निरन्तर वृद्धि हो रही है। जब ये लोग सरकार में थे,...(व्यवधान)

MR. SPEAKER : I request all the hon. Members to be brief so that all the Members may be accommodated.

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी आज्ञा का पूरा पालन कर रहा हूं। जब ये लोग सरकार में थे तब पैट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में वृद्धि हुई थी और इस सरकार के आते ही पैट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में वृद्धि हुई है। इसके पीछे एक ही तर्क दिया गया कि अन्तर्राट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल के दाम बढ़ गये हैं। जैसे-जैसे दाम बढ़ रहे हैं, इसलिए हम पैट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में वृद्धि कर रहे हैं। इसलिए मैं सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि जब पैट्रोलियम पदार्थों के दाम बढ़ जाते हैं तो उसका परिणाम यह होता है कि मिसाल के तौर पर प्रदेशों की सरकारों ने बिजली की दरें बढ़ानी शुरू कर दी तथा भारत सरकार ने कोयले के दाम बढ़ा दिये। क्या ईंधन के स्रोतों को स्वतंत्र बाजार की दया पर छोड़ा जा सकता है ? असल और बुनियादी सवाल यह है कि हमारे देश में कोई ईंधन नीति नहीं है। इसी सदन में जब श्री राम नाईक जी पैट्रोलियम मंत्री थे तो उन्होंने स्वीकार किया था कि पैट्रोल की जो बेसिक कीमत है, वह 13-14 रुपये प्रति लीटर है। जो कीमतों में बेशुमार वृद्धि हो रही है, उसका प्रमुख कारण यह है कि केन्द्र और राज्य सरकार के टैक्सेज इतने ज्यादा हैं कि ये कीमतें आसमान को छू रही हैं। इसलिए मैं आपसे नि वेदन करना चाहूंगा कि ये जो कीमतें हैं, केन्द्र सरकार के 16 प्रतिशत, 10 प्रतिशत, 1.50 प्रतिशत और 6 प्रतिशत प्रति लीटर के हिसाब से टैक्स हैं और राज्य सरकार के 8 प्रतिशत से लेकर 40 प्रतिशत तक टैक्स हैं। उसी का कारण है कि ये जो पैट्रोलियम पदार्थों की कीमतें बेतहाशा बढ़ी हैं, आसमान को छू रही हैं, इससे गरीब आदमी प्रभावित होता है और जो सीधा पैट्रोलियम पदार्थों का उपभोग भी नहीं करता है, उसको भी इसका कोपभाजन बनना पड़ता है क्योंकि जब यातायात का दाम बढ़ता है और ढुलाई का दाम बढ़ता है तो जो आवश्यक चीजें हैं, उनके दाम भी बड़ जाते हैं। यह बहुत गंभीर मामला है। मैं सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि सरकार एक ईंधन नीति तैयार करे। सरकार सुनिश्चित करे तथा इस बारे में गंभीरता से विचार करे कि केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों के जो बेशुमार टैक्सेज हैं, उनमें कमी लाने के लिए सरकार क्या कर रही है ?

MR. SPEAKER: Shri Basu Deb Acharia. Please be brief so that we can cover many subjects.